षोडश

बिहार विधान सभा

चतुर्दश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि 06 अग्रहायण, 1941 (श०)
27 नवम्बर, 2019 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 04

(1)	ग्रामीण विकास विभाग	01
(2)	पंचायती राज विभाग	01
(3)	लघु जल संसाधन विभाग	01
(4)	ग्रामीण कार्य विभाग	01
	कुल योग --	04

योजना का लाभ देना

7. श्री मिथिलेश तिवारी--क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वर्ष 2011-12 में की गई सामाजिक, आर्थिक जनगणना में नाम छूट जाने के कारण राज्य के हजारों गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजना के लाभ से वंचित हो गये हैं, यदि हाँ, तो सामाजिक आर्थिक जनगणना में नाम दर्ज होने से वंचित गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना या अन्य योजना का लाभ देने की सरकार की क्या कार्य योजना है ?

डस्टबीन का मानक तय करना

8. श्री ललित कुमार यादव--क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सभी पंचायत में दो तरह के डस्टबीन खरीदने हेतु वर्ष 2019-20 में 3,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि डस्टबीन आपूर्ति हेतु मानक तय नहीं किया गया है ;

(3) क्या यह बात सही है कि डस्टबीन का मानक तय किये बिना ही संवेदकों को सूचीवद्ध कर दिया गया ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार डस्टबीन का मानक तय करने एवं संवेदकों की सूची को निरस्त करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जीर्णोद्धार कराना

9. श्री ललित कुमार यादव--क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जल-जीवन हरियाली योजना के तहत सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं यथा तालाबों, पोखरों, आहरों, पईनों को चिह्नित कर अतिक्रमण मुक्त कराकर जीर्णोद्धार की योजना एक एकड़ से बड़े रकबा वाले जल संचयन संरचनाओं पर ही लागू करने का प्रावधान है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक एक एकड़ से कम जल संचयन संरचनाओं को भी अतिक्रमण मुक्त करवा कर जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

औचित्य बतलाना

10. श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013 में मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना शुरू की गयी थी, जिसके तहत अगले पाँच वर्षों में पूरे सूबे में 63,000 किलो मीटर सड़कें बननी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि 6 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी अभीतक मात्र 38 हजार किलो मीटर सड़कें ही बनी हैं एवं 25 हजार किलो मीटर सड़कें बनने हेतु अभी भी लम्बित है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूरी सड़कें नहीं बनाने का क्या औचित्य है तथा सरकार इसे कबतक पूरा करने का विचार रखती है ?

पटना :
दिनांक 27 नवम्बर, 2019 (ई0) ।

बटेश्वर नाथ पाण्डेय,
सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0, 106 (एल0ए0), 2019-20-डी0टी0पी0-550